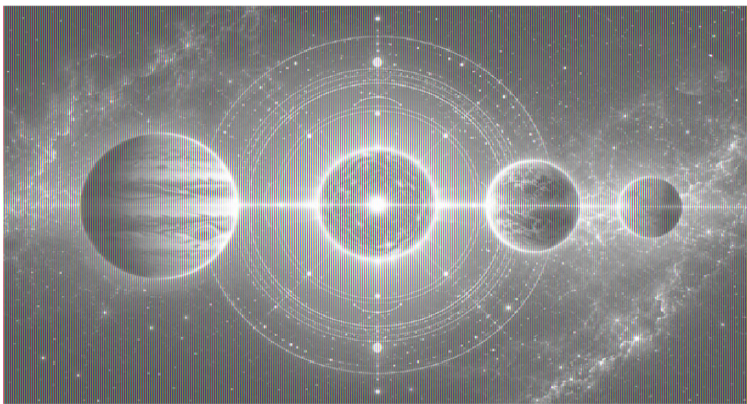


सूर्य, गुरु और बुध का त्रिग्रही योग: अगस्त में इन राशियों की बदलेगी किस्मत, आर्थिक लाभ के प्रबल संकेत

अगस्त का महीना ज्योतिषीय दृष्टिकोण से कई महत्वपूर्ण परिवर्तनों और शुभ योगों का साक्षी बनने जा रहा है। इसी क्रम में 5 अगस्त को बुध ग्रह का कर्क राशि में गोचर होने के कारण एक परिणामस्वरूप एक अत्यंत प्रभावशाली त्रिग्रही योग का निर्माण हुआ है। इस योग में ग्रहों के राजा सूर्य, देवगुरु बृहस्पति और बुद्धि के कारक बुध ग्रह एक साथ अहर्क अपनी ऊर्जा का संचार करेंगे। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, ग्रहों की यह विशेष स्थिति कुछ चुनिंदा राशियों के जातकों के लिए वित्तीय लाभ, करियर में उन्नति और पारिवारिक जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाली साबित हो सकती है। विशेष रूप से 5 से 17 अगस्त तक का यह समय इन राशियों के लिए बेहद शुभ और फलदायी रहने की उम्मीद है। आइए जानते हैं किन राशियों को इस त्रिग्रही योग से मालामाल होने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

इस त्रिग्रही योग का सबसे पहला और प्रत्यक्ष लाभ मिथुन राशि के जातकों को मिलेगा। आपकी राशि से द्वितीय भाव में यह योग बनेगा, जो धन, बचत और वाणी का कारक माना जाता है। इस शुभ योग के प्रभाव से आपकी आमदनी में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। यदि लंबे समय से आपका इंजीनियर



रुका हुआ था या किसी वित्तीय लाभ की प्रतीक्षा थी, तो 5 अगस्त के बाद वह पूरी हो सकती है। कारोबारियों के लिए भी यह समय अत्यंत अनुकूल साबित होगा, उनके अटक हट्टे सौदे पूरे हो सकते हैं और नया निवेश लाभकारी सिद्ध हो सकता है। मिथुन राशि के लोग इस दौरान अपने पुराने उधार चुकाने में भी सफल

होंगे, जिससे आर्थिक बोझ कम होगा। पारिवारिक जीवन में भी खुशियों और सामंजस्य का अनुभव होगा।

इसी क्रम में कन्या राशि के जातकों के लिए भी यह त्रिग्रही योग अत्यंत अनुकूल रहने वाला है। यह योग आपकी राशि से एकादश भाव में निर्मित होगा, जिसे लाभ और आय

का भाव कहा जाता है। इस शक्तिशाली योग के बनने से आपको आय के नए और अच्छे स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। कुछ लोग अपनी मुख्य नौकरी के साथ-साथ पार्ट टाइम काम भी शुरू कर सकते हैं, जिससे उनकी वित्तीय स्थिति और मजबूत होगी। 5 से 17 अगस्त के बीच इस राशि के जातकों को शेरार बाजार और अन्य निवेशों से भी अप्रत्याशित मुनाफा मिलने के योग बन रहे हैं। गुरु और बुध की स्थिति के चलते आपको शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल हो सकती हैं, जिससे मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

वहीं, वृश्चिक राशि के लोगों को भी इस त्रिग्रही योग से भरपूर लाभ मिलने की संभावना है। यह योग आपके भाग्य भाव में बन रहा है, जिससे आपको अपनी किस्मत का पूरा सहयोग प्राप्त होगा। धन लाभ के अच्छे और सुनहरे अवसर मिलेंगे, और यदि आपका कहीं अटका हुआ धन था, तो उसके वापस मिलने के भी प्रबल योग बन रहे हैं। कुछ वृश्चिक राशि के जातकों को इस दौरान विदेश जाने का सुनहरा मौका मिल सकता है, जिससे उनके करियर या व्यक्तिगत जीवन में बड़ा बदलाव आएगा।

ब्रिटिश अभिनेत्री लंगान की



हाल ही में ब्रिटिश अभिनेत्री रेचल की है जो पहले कभी नहीं देखी गईं। निभाने वाली रेचल ने अपने सोशल तस्वीरों में अभिनेत्री पारंपरिक भारतीय में वह फिल्म में पहने गए अपने रसखूशी पोज देती दिख रही हैं। तस्वीरों में आपकी साथ शेरार की थैंक यू कैशियन द्वारा निभाया गया किरदार के विपरीत, एलिजाबेथ चंपनेर के सिखाती हैं, ताकि वे ऐतिहासिक मैथिली भुवन (आमिर खान द्वारा निभाया गया है कि भुवन, गौरी (येसी सिंह द्वारा लिखित और निर्देशित तथा आमिर खान 15 जून, 2001 को रिलीज हुई थी) के अलावा कुलभूषण खरबंदा, सुशांत मिश्रा और दया शंकर पांडे जैसे कलाकारों ने हाई पल्लवी की

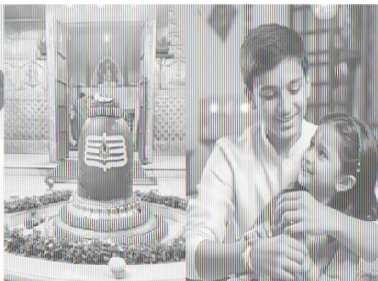
हाल ही में अभिनेत्री निहारिका एन और कटेड क्रिएशन की दुनिया से निहारिका अभिनय और उनका व्यक्तिगत आगे कहा, साई पल्लवी उन रसखूबसूरी और अपने काम के प्रति समर्पण के बिना किसी बनावटी छवि के दर्शन आज के समय में ऐसे कलाकार का के अलावा, निहारिका ने बॉलीवुड के तबू को एक सदाबहार कलाकार बन हैं। निहारिका ने तबू के अभिनय प्रेरणा बताया।

इस माह पड़ रहे ये प्रमुख व्रत , त्यौहार

आगामी अगस्त 2026 का महीना हिंदू धर्म के अनुयायियों के लिए आस्था और उमंग से भरा रहने वाला है। यह महीना कई महत्वपूर्ण त्योहारों और व्रतों का संगम लेकर आ रहा है, जो भक्तों को अपनी धार्मिक परंपराओं से जुड़ने और आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करने का अवसर प्रदान करेंगे। श्रावण मास के प्रमुख पर्वों के साथ-साथ कई अन्य महत्वपूर्ण तिथियां भी इस महीने में पड़ रही हैं, जिनका अपना विशेष महत्व है। महीने की शुरुआत कर्मिका एकादशी से होगी, जो 9 अगस्त, रविवार को मनाई जाएगी। श्रावण मास के कृष्ण पक्ष में पड़ने वाली यह एकादशी भगवान विष्णु को समर्पित है। इस दिन विधि-विधान से भगवान विष्णु की पूजा और व्रत करने का विधान है। मान्यता है कि ऐसा करने से व्यक्ति के पाप नष्ट होते हैं और अपार पुण्य की प्राप्ति होती है।

इसके बाद 11 अगस्त, मंगलवार को सावन शिवरात्रि का महापर्व मनाया जाएगा। सावन के महीने में पड़ने वाली शिवरात्रि का शिव भक्तों के लिए विशेष महत्व है। इस दिन भोलेनाथ की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की जाती है और कावड़ यात्रा भी इसी दिन समाप्त होती है। ऐसी मान्यता है कि ब्रह्मापूर्वक शिवजी की पूजा करने से उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है और जीवन में सुख-समृद्धि के संयोग बनते हैं।

ठीक अगले ही दिन, 12 अगस्त, बुधवार को हरियाली अमावस्या का पर्व है। सावन मास के कृष्ण पक्ष की यह अमावस्या पितरों को समर्पित मानी जाती है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान



करने के बाद दान और पितृकर्म किया जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने से पितरों का आशीर्वाद मिलता है और घर में सुख-शांति बनी रहती है।

मध्य अगस्त में, 15 अगस्त, शनिवार को हस्तिना तीज का व्रत मनाया जाएगा। यह व्रत सावन मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को किया जाता है। विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी आयु और सौभाग्य की प्राप्ति के लिए यह व्रत रखती हैं, जबकि कन्याएं अच्छे घर की कामना से इसे करती हैं। इस दिन माता पार्वती और भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है।

इसके दो दिन बाद, 17 अगस्त, सोमवार को दो महत्वपूर्ण त्योहार एक साथ पड़ रहे हैं। इनमें से पहला है नाग पंचमी, जो श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर मनाई जाती है। हिंदू धर्म में नाग पंचमी का बहुत विशेष महत्व बताया गया है, और इस दिन नाग देवता की पूजा का विधान है, जिससे जातकों को शिवजी की कृपा प्राप्त होने की मान्यता है। इसी दिन श्री कल्कि जयंती भी मनाई जाएगी। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाई जाने वाली कल्कि जयंती, भगवान विष्णु के दसवें अवतार श्री कल्कि जी के प्राकट्य का प्रतीक है। कल्कि पुराण के अनुसार, भगवान कल्कि का प्राकट्य सावन मास के शुक्ल पक्ष की संख्या व्यापिनी तिथि में होगा।

रक्षाबंधन वर्ष 2026 में रक्षाबंधन का पवित्र त्योहार 28 अगस्त (शुक्रवार) को मनाया जाएगा। राखी बांधने का शुभ मुहूर्त सुबह 5:57 से सुबह 9:48 तक है। सावन पूर्णिमा तिथि 27 अगस्त की सुबह 9:08 बजे शुरू होकर 28 अगस्त की सुबह 9:48 बजे समाप्त होगी।

संक्षेप में, अगस्त 2026 का महीना धार्मिक गतिविधियों और सांस्कृतिक उत्सवों से परिपूर्ण रहेगा, जो भक्तों को आध्यात्मिकता के मार्ग पर आगे बढ़ने और ईश्वर का आशीर्वाद प्राप्त करने का अनमोल अवसर प्रदान करेगा।

भोजन करने संबंधी कुछ जरूरी नियम

सनातन धर्म में आहार ग्रहण करने के दौरान भी कुछ नियमों का पालन करना जरूरी माना गया है। माना गया है कि जिसप्रकार हम आहार करेंगे वैसे ही हमारे विचार भी होंगे।

सर्वप्रथम : भोजन करने से पूर्व हाथ पैरों व मुख को अच्छी तरह से धोना चाहिये। भोजन से पूर्व अन्नदेवता, अन्नपूर्णा माता की स्तुति करके उनका धन्यवाद देते हुए तथा सभी भूखों को भोजन प्राप्त हो, ईश्वर से ऐसी प्रार्थना करके भोजन करना चाहिए।

वहीं भोजन बनाने वाला स्नान करके ही शुद्ध मन से, मंत्र जप करते हुए ही रसोई में भोजन बनाएँ और सबसे पहले 3 रोटियाँ (गाय, कुते और कीबे हेतु) अलग निकालकर फिर अग्निदेव को भोग लगाकर ही घर वालों को खिलाएँ।

भोजन के समय प्रातः और सायं ही भोजन का विधान है, क्योंकि पाचनक्रिया की जवरागि सूर्योदय से 2 घंटे बाद तक एवं सूर्यास्त से 2.30 घंटे पहले तक प्रचल रहती है।

जो व्यक्ति सिर्फ एक समय भोजन करता है वह योगी और जो दो समय करता है वह भोगी कहा गया है। एक प्रसिद्ध लोकोक्ति है सुबह का खाना स्वयं खाओ, दोपहर का खाना दूसरों को दो और रात का भोजन दुश्मन को दो



भोजन की दिशा: भोजन पूर्व और उत्तर दिशा की ओर मुंह करके ही करना चाहिए। दक्षिण दिशा की ओर किया हुआ भोजन प्रेत को प्राप्त होता है। पश्चिम दिशा की ओर किया हुआ भोजन खाने से रोग की वृद्धि होती है।

ऐसे में न करें भोजन: शैया पर, हाथ पर रखकर, टूटे-फूटे बर्तनों में

भोजन नहीं करना चाहिए। मल-मूत्र का बैग होने पर, कलह के माहौल में, अधिक शोर में, पीपल, वटवृक्ष के नीचे भोजन नहीं करना चाहिए। परेसे हुए भोजन की कभी निंदा नहीं करनी चाहिए। ईर्ष्या, भय, क्रोध, लोभ, रोग, दीनभाव, द्वेषभाव के साथ किया हुआ भोजन कभी पचता

नहीं है। खड़े-खड़े, जूते पहनकर सिर ढंककर भोजन नहीं करना चाहिए।

ये भोजन न करें: गरिष्ठ भोजन कभी न करें। बहुत तीखा या बहुत मीठा भोजन न करें। किसी के द्वारा छोड़ा हुआ भोजन न करें।

आधा खाया हुआ फल, मिठाइयाँ आदि पुनः नहीं खाना चाहिए।

खाना छोड़कर उठ जाने पर दुबारा भोजन नहीं करना चाहिए।

जो डिब्बा पीटकर खिला रहा हो, वहाँ कभी न खाए।

पाशु या कृते का छुआ, रजस्वला स्त्री का परेसा, श्राद्ध का निकाला, बारी, मुंह से फूँक मारकर ठंड किया, बाल गिरा हुआ भोजन न करें।

अनादरयुक्त, अवहेलनापूर्ण परेसा गया भोजन कभी न करें।

*कज्जूस का, राजा का, वैश्य के हाथ का, शराब बेचने वाले का दिशा भोजन और ब्याज का पंथा करने वाले का भोजन कभी नहीं करना चाहिए। भोजन करते वक़्त क्या करें: भोजन के समय मौन रहें। रात्रि में भरपेट न खाएँ। बोलना जरूरी हो तो सिर्फ सकारात्मक बातें



पहली बार तापसी प

बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू आज बॉक्स ऑफिस खिलाड़ी और कोच मैथिल्यास किसी फिल्म की कहानी से कम नहीं हैं। दौरान हुए हार्ट ब्रेक के बारे में खुलासा अभिनेत्री को पहली बार प्यार का पहलासा ने खुलासा किया था कि स्कूल के समय तापसी ने बताया कि उनके बॉयफ्रेंड ने उनकी बोर्ड परीक्षा पर पूरा ध्यान लगाना था तापसी ने बताया कि वह उनका पहलासा सिक्के डालकर अपने बॉयफ्रेंड को काट रही थी और अगर उठवा, तो बुरी हो अपने जीवन में किसी को इतना हक नस जीवन का सबसे बड़ा हार्ट ब्रेक था। स तेज बहादुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मॉडलिंग में हाथ आजमाया और साउथ उन्हीने 2010 में तेलुगु फिल्म झमंडी ना फिल्म चरम बहुर से हिंदी सिनेमा में डेढ़ अभिनय कर अपना नाम स्थापित किया पर गहरी छाप छोड़ी थी। तापसी पन्नू आ जोड़े ने लगभग एक दशक तक अपने को उदयपुर में एक निजी समारोह में शा समारोह में हुई थी। मैथिल्यास बोए इन तापसी हैदराबाद हॉटशॉट टीम की बॉडी

जैसे र

अपनी पहली को-स्टार जाह्नवी कपूर के खास पोर्ट किया। ईशान को इस पोस्ट-तस्वीर शेरार की, जिसके साथ उन्होंने लि कपूर। शेरार की गई तस्वीर में ईशान में लि वाले मैरून लहंगे के साथ स्टैटमेंट जैने पकड़े और तस्वीर के लिए पोज देते हुए

सूर्य देव की उपासना करना लाभप्रद

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य देव को सभी ग्रहों का राजा माना जाता है। इसीलिए इसकी शुभ-अशुभ स्थिति व्यक्ति के जीवन पर बहुत गहरा प्रभाव डालती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार सूर्य देव की अलग-अलग प्रतिमाएं रखना शुभ माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार अपनी इच्छानुसार घर में सूर्य देव की प्रतिमाएं रखी जा सकती हैं। तो आइए आज जानते हैं कि सूर्य देव की कौन सी प्रतिमा की घर में रखा जा सकता है।

लकड़ी की प्रतिमा

ज्योतिष और वास्तु के अनुसार सूर्यदेव की लकड़ी की प्रतिमा घर रखना बहुत अच्छा माना जाता है। मान्यता है कि इसके निरंतर पूजा-पाठ करने से घर के लोगों का समाज में मान-सम्मान बढ़ता है। इसके साथ ही उन्हें भाग्य का साथ मिल जाता है।

मिट्टी की प्रतिमा

जिस जातक की कुंडली में सूर्य दोष हो और उसके सभी कामों में बार-बार बाधाएं आ रही हो तो वो ईसन घर में पत्थर या मिट्टी की सूर्य प्रतिमा रख सकता है। कहा जाता है कि इसकी पूजा करने से हर कार्य में सफलता मिलती है।

तांबे की प्रतिमा

कहते हैं कि घर में सकारात्मकता बनाए रखने के लिए हर किसी को तांबे से बनी प्रतिमा रखनी चाहिए। इसके शुभ असर से सभी परेशानियों से छुटकारा मिल सकता है।

